अंतर्राष्ट्रीय लेखा नियमों में बदलाव

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में **अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानक बोर्ड (International Accounting Standards Board- IASB)** ने नई आवश्यकताओं से अवगत कराया, जिनके तहत कंपनियों को वर्ष 2027 से मानकीकृत परिचालन लाभ के आँकड़े प्रकाशित करने होंगे।

- यह आँकड़ा IASB नियमों के तहत परिभाषित नहीं है, इसलिये प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिये इसे विभिन्न तरीकों से संकलित किया जा सकता है।
  - वर्तमान में शुद्ध लाभ या हानि पर पहुँचने से पहले कई कंपनियाँ **ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन या EBITDA से पूर्व आय** की रिपोर्ट करती हैं।
- **अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानक बोर्ड (IASB):**
  - IASB की स्थापना वर्ष 2001 में **अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक फाउंडेशन** की देखरेख में की गई थी, जो 140 से अधिक न्यायालयों द्वारा अनिवार्य वित्तीय रिपोर्टिंग के लिये एक वैश्विक लेखांकन भाषा के निर्माण हेतु **अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों** को विकसित और अनुमोदित करता है।
- **ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय (EBITDA):**
  - **EBITDA** एक **वित्तीय मीट्रिक** है, जो वित्तपोषण और लेखांकन निर्णयों के प्रभावों को छोड़कर कंपनी के **परिचालन प्रदर्शन** का मूल्यांकन करता है, जिससे **मुख्य परिचालन लाभप्रदता** पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है।

और पढ़ें: भारतीय लेखा मानक

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/change-in-global-accounting-rule